विश्व पर्यावरण दिवस- 2022 के आयोजन पर रिपोर्ट

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला द्वारा आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत 05 जून, 2022 "विश्व पर्यावरण दिवस" का आयोजन संस्थान में किया गया । कार्यक्रम में वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं प्रोजेक्ट स्टाफ के अलावा श्री॰ बी॰ एस॰ राणा (आई॰ एफ॰ एस॰ , सी॰ सी॰ एफ॰ सेवानिवृत), श्री के॰ एस॰ क्रोफा (आई॰ ए॰ एस॰, मुख्य सचिव सेवानिवृत), विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिकों शोधार्थियों, गैर सरकारी संस्थाओं के प्रतिनिधियों, विभिन्न स्कूलों के छात्रों, अध्यापकों, किसानों तथा फील्ड में कार्यरत कर्मचारियों ने वर्चूअल माध्यम से कार्यक्रम में लगभग 80 से ज्यादा लोगों ने भाग लिया । इसके अतिरिक्त शिमला के पाँच पाठशालाओ के 75 विद्यार्थियों ने निबंध लेखन, नारा लेखन एवं चित्रकला/पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताओं में भाग लिया । डॉ. जगदीश सिंह, वैज्ञानिक 'एफ' एवं प्रभागाध्यक्ष (विस्तार प्रभाग) ने संस्थान के निदेशक, डॉ. एस. एस. सामंत, डॉ॰ मिलाप चंद शर्मा, प्रोफेसर, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों तथा शोधार्थियों का स्वागत किया तथा संक्षेप में विश्व पर्यावरण दिवस के महत्व के बारे में बताया। डॉ. एस. एस. सामंत, निदेशक, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और कहा कि पर्यावरण के बिना मानव का अस्तित्व असंभव है । डॉ. सामंत ने पृथ्वी की उपयोगिता तथा उसमें निहित विभिन्न घटकों पर प्रकाश डाला, उन्होंने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों के निरंतर कम होने से वातावरण में बदलाव हो रहा है, वनों के कम होने के कारण जैवविविधता का ह्रास, पारिस्थितिक सेवा में कमी तथा जलवायु परिवर्तन के वारे में बताया, उन्होंने कहा कि पर्यावरण के संरक्षण हेतु सभी की भागीदारी जरूरी है । मुख्य वक्ता डॉ॰ मिलाप चंद शर्मा,प्रोफेसर (डॉ॰) जे॰ एन ॰ यू ॰, नई दिल्ली, ने "जलवायु परिवर्तन से हिमालयन ग्लेशियर के तेज़ी से पिघलने के दुष्प्रभाव" विषय पर वर्चुअल माध्यम से व्याख्यान दिया । उन्होंने बताया कि हिमालय को विश्व का तीसरा ध्रुव भी कहा जाता है, क्योकि अंटार्कटिका और आर्कटिक के बाद हिमालय के ग्लेशियरों में सबसे ज्यादा बर्फ जमा है । ग्लेशियर संवेदनशील जलवायु पैरामीटर के विषय में बताते हुए उन्होंने विभिन्न नदियों का बेसिन डाटा, हिमपात की दर में हुए बदलाव, हिमाचल में ग्लेशियर के भूतकाल, वर्तमान, एवं भविष्य में होने वाले बदलाव के बारे में जागरूक किया । पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य पर संस्थान द्वारा विभिन्न पाठशालाओं में जैसे कि राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय; छोटा शिमला, ब्यूलिया, मेहली, सरस्वती विद्या मंदिर, विकासनगर तथा राष्ट्रीय विद्या केन्द्र, कसुम्प्टी में निबंध लेखन, नारा लेखन एवं चित्रकला/पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया । निबंध लेखन में प्रियांशी ठाकुर प्रथम (राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मेहली), श्रुति शर्मा द्वितीय (राष्ट्रीय विद्या केन्द्र, कुसुंप्टी), स्मृति शर्मा ने तृतीय (राष्ट्रीय विद्या केन्द्र, कुसुंप्टी) स्थान प्राप्त किया । नारा लेखन में अंचल प्रथम (राष्ट्रीय विद्या केन्द्र, कुसुंप्टी), सक्षम वर्मा द्वितीय (सरस्वती विद्या मंदिर, विकासनगर), सविता (राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मेहली), ने तृतीय स्थान प्राप्त किया और पोस्टर मेकिंग में सुजल प्रथम (राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय,

ब्यूलिया), मोहम्मद जावेद द्वितीय (राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, छोटा शिमला), अपूर्वा (राष्ट्रीय विद्या केन्द्र ,कुसुंप्टी) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया । इसके बाद संस्थान परिसर में विकसित हो रहे बोटेनिकल गार्डन में काफल, तोष, चूली और जूनीपर के पौधों का रोपण किया गया । कार्यक्रम के अंत में डॉ. जोगिंदर चौहान, मुख्य तकनीकी अधिकारी (विस्तार प्रभाग) ने सभी विजेता विद्यार्थियों को बधाई तथा संस्थान की ओर से मुख्य वक्ता, वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, शोधार्थियों एवं अन्य सभी प्रतिभागियों का इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए धन्यवाद दिया । श्री कुलवंत राय गुलशन, सीनियर टेकनिशियन और श्री स्वराज सिंह, टेकनिशियन ने कार्यक्रम आयोजित करने में अहम भूमिका निभाई।

विश्व पर्यावरण दिवस
Theme : Only One Earth

तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाये।

****